तापमान
अधिकतम 44 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .5 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, रविवार, 16 जून 2024

13 पुलिस को शिकायत मिलने के तीन दिन के अंदर एफआईआर करनी होगी दर्ज: एसपी

14 आठ मुख्य चरणों में पूरा किया जाता योग प्रोटोकॉल तीसरे चरण में 20 आसनों का होता अभ्यास

खबर संक्षेप

ट्रेन में मोबाइल फोन चोरी का आरोपी काबू

रेवाड़ी। जीआरपी ने ट्रेन में एक यात्री का मोबाइल फोन चोरी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। गश्त के दौरान रेलवे स्टेशन की ओर आ रहे एक युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। जीआरपी ने उसे काबू किया तो उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। जांच के दौरान पता चला किया यह मोबाइल फोन गुरूग्राम और रेवाड़ी के बीच ट्रेन में अंकित नाम के रेल यात्री का चोरी हुआ था। आरोपी हावड़ा निवासी बिलाल शेख है, जिसे गिरफ्तार करने के बाद जीआरपी पूछताछ कर रही है।

ट्रॉले की चपेट में आकर महिला घायल

रेवाड़ी। जयसिंहपुर खेड़ा बस स्टॉप पर सड़क किनारे खड़ी महिला एक ट्रॉले की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जयसिंहपुर खेड़ा निवासी बिमला देवी दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर बस स्टॉप के पास सड़क किनारे खड़ी हुई थी। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आ रहे एक ट्रॉले ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई बिमला देवी को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। ट्रॉला चालक मौके से फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी।

मारपीट में मकान मालिक सहित दो काबू

धारूहेड़ा। मालपुरा में किराएदार के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अस्पताल में उपचाराधी किराएदार के बयान पर मकान मालिक व उसके मुनीम के खिलाफ 13 जून को केस दर्ज किया था। उसने मकान मालिक पर आए दिन मारपीट करने और धमकी देने का आरोप लगाया था। इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद मकान मालिक मनोज व उसके मुनीम मनोज निवासी जयपुर को गिरफ्तार कर लिया। बाद में पुलिस ने दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया।

बाइक की टक्कर लगने से युवक घायल

नाहड़। जुड्डी रोड पर सड़क किनारे पैदल जा रहा एक युवक बाइक की चपेट में आकर घायल हो गया। गांव निवासी उमेद अपने भाई सत्यवीर का खाना लेकर घर से अपने खेत की ओर जा रहा था। जंगलात के पास पहुंचते ही एक बाइक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने उसके परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी।

मकान के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

रेवाड़ी। रानी की डयोढ़ी में चोर रात के समय एक मकान के बाहर खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में शरद गुप्ता ने बताया कि रात को उसने अपनी बाइक घर के सामने खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर घर से बाहर आया तो उसे बाइक वहां नहीं मिली। आसपास पता करने के बाद भी बाइक का कोई सुराग नहीं लगा। उसकी बाइक रात को 12 बजे के आसपास चोरी की गई है। सिटी पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी मामलों में दो गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना बावल पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने के आरोप में 19 मार्च को केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने गुर्जर माजरी निवासी राजपाल को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

मानसून से पहले 20 मिनट की बरसात का पानी दूसरे दिन भी सड़क पर जमा

शहर में नहीं पानी निकासी का प्रबंध, हल्की बरसात ने उजागर की प्रशासन की खामियां

■ अभी तक नहीं शुरू की गई नालों की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ब्रास मार्केट की सड़क पर गड्ढें में जमा बरसात का पानी, रोडवेज वर्कशॉप में जमा बरसात का पानी, बरसात से नाईवाली सब्जीमंडी में कीचड़। फोटो :हरिभूमि

मानसून से पहले गत दिवस शहर में हुई बरसात ने एक बार फिर प्रशासन की खामियों को उजागर कर दिया है। शहर में करीब 20 मिनट हुई बरसात से जगह-जगह हुए जलभराव का पानी दूसरे दिन भी सड़कों पर खड़ा रहा। जून माह के अंत में मानसून भी दस्तक देने वाला है। मौसम विभाग की ओर से इस बार अच्छी बरसात होने की संभावना जताई जा रही है, ऐसे में बरसाती सीजन शुरू होने पर शहर की हालत बिगड़ने वाली है, क्योंकि प्रशासन की ओर से अभी तक पानी की निकासी के कोई प्रबंध नहीं किए गए है। शहर के नाले गंदगी से पूरी तरह लबालब है, जिससे सड़कों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न होने वाली है। हालांकि जिला उपायुक्त की ओर से विभागों को 30 जून तक नालों की सफाई कराने के निर्देश दिए गए है, लेकिन अभी तक नालों की सफाई का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। गत दिवस शाम व रात को हुई बरसात से हुए जलभराव ने शहर की ज्यादातर सड़कों की सूरत बिगाड़ कर रख दी है। प्रशासन की ओर से न तो बरसाती नालों की सफाई की जा रही है और न ही पानी निकासी के प्रबंध किए गए है। शनिवार को टूटी सड़कों पर गड्ढों में पानी जमा होने से वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। बरसात के कारण शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर की सड़कें कीचड़ व गंदगी से सरोबार हो गई है।

लंबे समय से चल रही जलभराव की समस्या

शहर में जलभराव की समस्या लंबे समय से है। प्रत्येक वर्ष मानसून से पहले प्रशासन की ओर से जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सही समय पर प्रबंध नहीं किए जाते है। गत वर्ष भी नगर परिषद की ओर से देर से शुरू की गई नालों की सफाई अधूरे में छोड़ दी गई, जिसके बाद से नालों की तरफ ध्यान तक नहीं दिया गया। अब मानसून आने में करीब 15 दिन शेष है। इन 15 दिनों में शहर के सभी नालों की ठीक से सफाई होनो मुश्किल है। प्रशासन के पानी निकासी व सफाई व्यवस्था के दावे हर बार फेल होते नजर आते है। सड़कों पर जलभराव होने से ब्रास मार्केट, नई अनाजमंडी, बावल रोड, अग्रसेन चौक, मॉडल टाउन, रोडवेज वर्कशॉप व सेक्टर-1 में ज्यादा समस्या दिखाई दी। मोहल्लों के निचले इलाकों में भी पानी जमा हो गया। बरसात के कारण शहर के मोती चौक बाजार, पुरानी सब्जीमंडी, नाईवाली सब्जीमंडी, कटला बाजार, बारा हजारी व गोकल बाजार में कीचड़ की स्थिति बनी रहने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

वर्कशॉप की काफी समय से मोटर खराब

बरसात आने पर बस स्टैंड व रोडवेज वर्कशॉप में काफी मात्रा में पानी जमा हो जाता है, जिसको मोटर के जरिये बाहर नाले में डाला जाता है, लेकिन रोडवेज वर्कशॉप में काफी समय से मोटर खराब पड़ी हुई है। गत दिवस हुई बरसात का पानी वर्कशॉप में दूसरे दिन भी जमा रहा।

ठहरे पानी में पैदा होंगे मच्छर

शहर में आधे से एक घंटे की बरसात से ही काफी खराब स्थिति पैदा हो जाती है, जिससे लोगों को परेशानी के दौर से गुजरना पड़ता है। जगह-जगह सड़कों पर जमा पानी कीचड़ में तब्दील होता जा रहा है। यह पानी कई दिन तक सड़कों पर खड़ा रहता है, जिससे बदबू के साथ मच्छर पनपने लगते है, लेकिन इस ओर न जो जनप्रतिनिधि ध्यान देते है और न ही इस समस्या का समाधान कराने की दिशा में प्रशासन कोई ठोस कदम उठाता हैं। काफी जगह ठहरे पानी से उठती बदबू से बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है।

अंगुलियां कटने के बाद श्रमिक को निकाला

■ कंपनी प्रबंधकों व ठेकेदार सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

एचएसआईआईडीसी में एक कंपनी में काम करते समय हाथ अंगुलियां कटने के बाद श्रमिक को बाहर का रास्ता दिखाना प्रबंधन को महंगा पड़ गया। कसोला पुलिस ने कंपनी प्रबंधकों व ठेकेदार सहित पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस शिकायत में यूपी के नगला तुरावली निवासी रविंद्र ने बताया कि वह चिराहड़ा गांव में किराए के मकान में रह रहा है। कम शिक्षित होने के कारण वह मशीन पर काम करना नहीं जानता। एचएसआईआईडीसी की एक कंपनी के ठेकेदार रामअवतार ने उसे कंपनी में गाड़ी भरने व खाली करने के लिए काम पर लगाया था। रविंद्र ने आरोप लगाया कि मशीन चलाने की जानकारी नहीं होने के बावजूद ठेकेदार व कंपनी प्रबंधकों ने उसे जबरन मशीन पर काम करने को मजबूर कर दिया। 17 मई को मशीन पर काम करते समय उसके हाथ की दो अंगुलियां कट गईं। प्रबंधकों ने एक प्राइवेट अस्पताल में उसका उपचार कराया। उपचार होने के बाद जब वह कंपनी में काम पर लौटा, तो उसके वेतन में इलाज पर खर्च हुए पैसे काटकर उसे काम पर रखने से मना कर दिया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर कंपनी के प्रबंधक, एचआर मैनेजर, प्रोडक्शन मैनेजर, लाइन इंचार्ज व ठेकेदार के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

आर्थिक मजबूरी ने कराया मशीन पर काम

रविंद्र ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह अपने परिवार का पेट पालने के लिए अकेला सहारा है। ठेकेदार व प्रबंधकों ने काम से निकालने की धमकी देकर उसे मशीन पर जबरन काम करने को मजबूर किया था। मशीन की जानकारी नहीं होने के कारण उसके हाथ की अंगुलियां कट गईं। उसे आर्थिक मदद मुहैया कराने की बताया कंपनी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। अब प्रबंधन का कहना है कि अंगुलियां कटने के बाद वह उनके किसी काम का नहीं है, जिस कारण उसे काम पर नहीं रखा जा रहा।

मंदिर के गेट का ताला काटकर हजारों रुपये का सामान चोरी

बावल। शुक्रवार की रात चोर खंडोड़ा के गूगा मंदिर के मेन गेट का ताला काटकर हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। मौका मुआयना करने के बाद पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर लिया। मंदिर कमेटी के प्रधान देशराज ने पुलिस शिकायत में बताया कि गांव के गूगा मंदिर में कमेटी ने राहुल को पुजारी रखा हुआ है। शनिवार सुबह जब पुजारी मंदिर में गया तो मेन गेट का ताला काटा हुआ था। पुजारी ने उसे फोन पर इसकी सूचना दी। इसके बाद कमेटी के सदस्य मंदिर पहुंच गए। चोर मंदिर से बैट्री, इन्वर्टर व डीवीआर चोरी कर ले गए। चोरों ने मंदिर में लगी एलसीडी को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। देशराज की सूचना पर बावल पुलिस ने मौके पर जाकर मुआयना किया। बाद में पुलिस ने केस दर्ज करते हुए चोरी की जांच शुरू कर दी।

ब्लड डोनेट कर जीवन बचाने में योगदान के लिए दीपा भारद्वाज सम्मानित

रेवाड़ी। राज्यपाल से सम्मानित होते हुए दीपा भारद्वाज। फोटो :हरिभूमि

रेवाड़ी। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता, क्योंकि रक्त की एक बूंद किसी का जीवन बचा सकती है। अंबाला में आयोजित विश्व रक्तदान दिवस पर कार्यक्रम में सभी उन रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने रक्तदान कर लोगों का जीवन बचाने में अपना योगदान दिया है। रेवाड़ी के गुरु चौक स्थित मॉडल टाउन निवासी समाजसेवी एवं भाजपा नेत्री दीपा भारद्वाज को 50 बार रक्तदान करने पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सम्मानित किया। दीपा भारद्वाज ने बताया कि वर्ष 2002 में उन्हें लायंस क्लब का अध्यक्ष बनाया गया था। अध्यक्ष बनने के बाद किसी व्यक्ति को रक्त की जरूरत पड़ने पर उन्होंने पहली बार रक्तदान किया था। रक्तदान करने के बाद उस अज्ञात व्यक्ति को नया जीवन मिला। उसके बाद से वह अब तक 50 बार रक्तदान कर चुकी है तथा कई बार रक्तदान शिविर भी लगा चुकी हैं। दीपा भारद्वाज रक्तदान के साथ-साथ देहदान और नेत्रदान भी कर चुकी हैं।

नशामुक्ति पखवाड़ा के तहत एक्शन भारी मात्रा में गांजा सहित एक काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। नशीले पदार्थ के साथ काबू किया गया आरोपी पुलिस टीम के साथ।

एसपी शशांक कुमार सावन के निर्देश पर चलाए जा रहे नशामुक्त भारत पखवाड़ा के तहत मॉडल टाउन थाना पुलिस ने एक आरोपी को भारी मात्रा में नशीला पदार्थ गांजा सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी से बेचे गए गांजे की रकम भी बरामद की गई है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मॉडल टाउन थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एमपी के कपूरी निवासी श्रीकांत साहू नशीला पदार्थ बेचने का धंधा करता है। वह रेलवे लाइन से कुछ दूरी पर पपीता गोदाम के पास नशीला पदाथ बेचने की फिराक में खड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत मौके पर जाकर दबिश दी, तो वहां खड़े एक युवक ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पीछा करते हुए पुलिस ने उसे मौके पर ही काबू कर लिया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 970 ग्राम गांजा बरामद हुआ। तलाशी के दौरान उसकी जेब से 28.60 हजार रुपये भी बरामद हुए। आरोपी ने बताया कि उसे यह रकम गांजा बेचने से मिली है। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही काबू करने के बाद उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया। आरोपी से गांजा सप्लाई का पता लगाने के लिए पूछताछ की जा रही है।

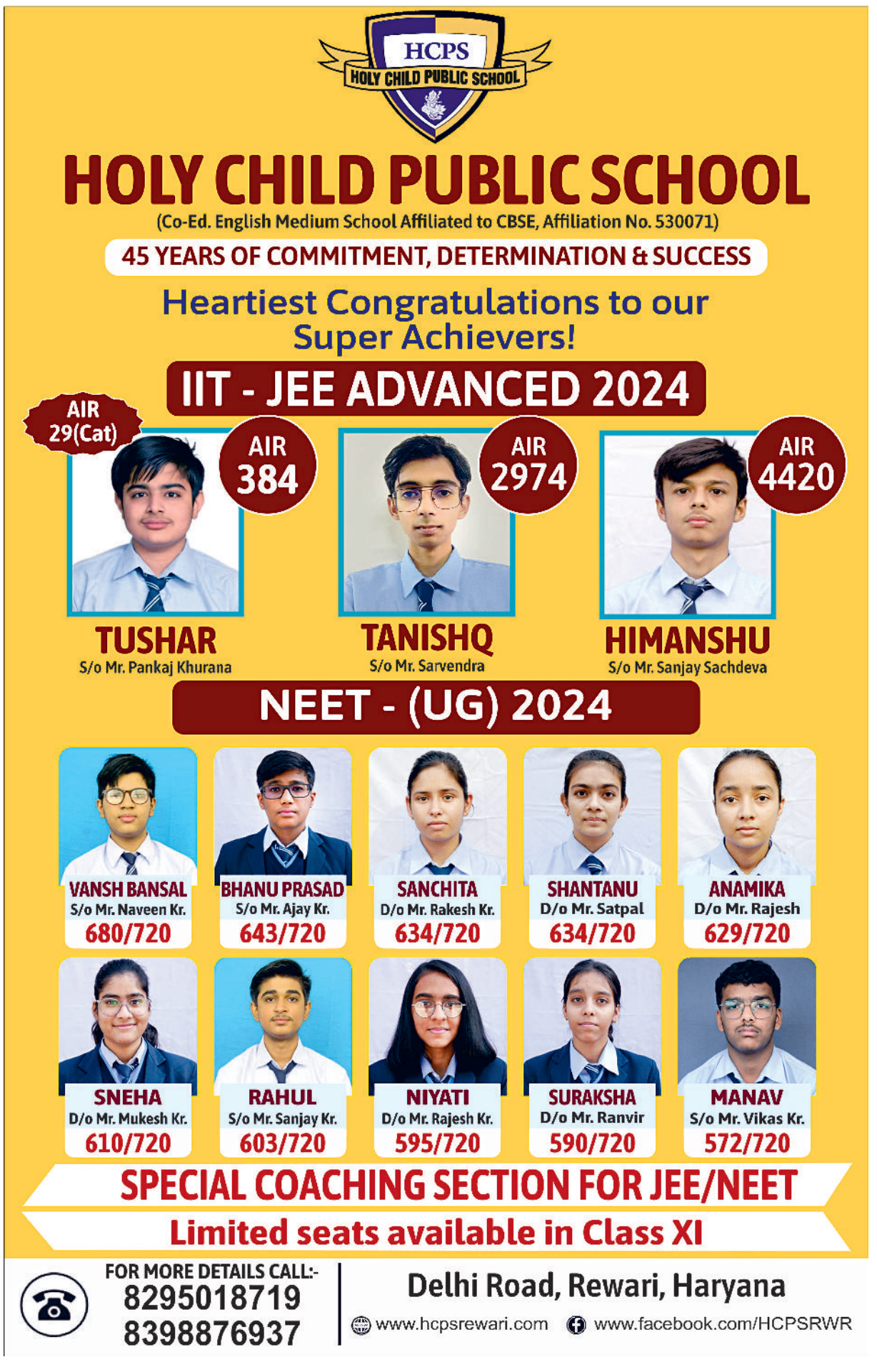

एमएफ में 8-4-3 का नियम तो खटाखट बढ़ेगा पैसा

- म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए यह एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी
- हर माह 21,250 निवेश करेंगे तो 8 साल में 33.37 लाख बनेंगे
- 21वें वर्ष तक आप 2.22 करोड़ रुपये बचाने में कामयाब होंगे
- धैर्य और अनुशासन के माध्यम से धीरे-धीरे धन अर्जित करें

निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस रणनीति में यह अनुमान लगाया जाता है कि निवेश सालाना किस दर से बढ़ेगा। इससे कम्पाउंडिंग की ताकत को समझने में मदद मिलती है और निवेशक आसानी से अपना पैसा बढ़ा लेता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

पैसा आज की सबसे बड़ी जरूत है। हर किसी को पैसा चाहिए। पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन थोड़ी सावधानी के साथ निवेश किया जाए तो आप कंपाउंड का लाभ लेकर आसानी से कुछ ही समय में अच्छा पैसा बना सकते हैं और करोड़पति बन सकते हैं। हर कोई करोड़पति बनने की चाहत रखता है। इसे पर्सनल फाइनेंस में एक मील के पत्थर के तौर पर देखा जाता है। अक्सर लोग पूछते हैं कि करोड़पति बनने के लिए क्या करना होगा? क्या 1 करोड़ रुपये जमा करने के लिए कसी तय समय की जरूरत है? क्या इतनी रकम जोड़ पाना संभव है? इन सभी सवालों का जवाब 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल में है। दरअसल, किसी भी फाइनेंशियल टारगेट तक पहुंचने के लिए आपके हाथ में जरूरी समय होना चाहिए। इसके लिए तय समय तक एक निश्चित रकम का निवेश करने की जरूरत होगी। अनुशासन और चक्रवृद्धि की ताकत (कम्पाउंडिंग पावर) से समय के साथ अपनी बचत को दोगुना या तिगुना करना मुमकिन है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि म्यूचुअल फंड में 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल क्या है। निवेशक क्यों इसे निवेश की सबसे लोकप्रिय स्ट्रैटजी बता रहे है। यह नियम कैसे पैसा बढ़ाने में आपकी मदद कर सकता है।

क्या है 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल

म्यूचुअल फंड की दुनिया में 8-4-3 रूल बढ़ते निवेश में चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत को दर्शाने में मदद करता है। इसके जरिये एक करोड़ रुपये या दूसरे फाइनेंशियल टारगेट के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल एक कॉन्सेप्ट है। इसका इस्तेमाल समय के साथ आपके निवेश को बढ़ाने में चक्रवृद्धि ब्याज की ताकत को दिखाने के लिए किया जाता है। अगर हम इसे ध्यान से देखें तो यह कोई निवेश रणनीति नहीं है, बल्कि ग्रोथ की संभावित रफ्तार को समझने का एक सरल तरीका है। निवेश करने जा रहे हैं तो यह जान लें कि 8-4-3 इंवेस्टमेंट रूल म्यूचुअल फंड में एक लोकप्रिय स्ट्रैटेजी है। यह नियम इस बात पर आधारित है कि समय और चक्रवृद्धि ब्याज निवेश में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कैसे लागू होता है 8-4-3 का नियम?

पहले 8 सालों में आप अपने निवेश में स्थिर बढ़ोतरी देखते हैं। फिर अगले 4 सालों (वर्ष 9-12) में निवेश की ग्रोथ पहले 8 सालों के बराबर हो सकती है। यानी आपने पहले 8 सालों में जितना पैसा बनाया वह 4 साल में बनने लगता है। फिर अंतिम 3 सालों (वर्ष 13-15) में निवेश की बढ़ोतरी पिछले 4 सालों जितनी हो सकती है।

पूरा कॉन्सेप्ट ऐसे समझें

- निवेश में 8-4-3 रूल के असर को समझने के लिए एक उदाहरण लेते हैं। मान लेते हैं कि आप ऐसे किसी इंस्ट्रूमेंट में पैसा लगाते हैं, जिसमें 12 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि ब्याज मिलता है। इसके जरिये हर महीने 21,250 रुपये का निवेश करके आप 8 साल में 33.37 लाख रुपये तक पहुंच सकते हैं। इसी तर्ज पर निवेश करते हुए अगले 4 साल में आप और 33 लाख रुपये अर्जित कर लेंगे। यानी पहले के मुकाबले इस बार आधा समय लगता है। बाकी 33.33 लाख रुपये सिर्फ तीन वर्षों में बचाए जा सकते हैं।
- इस तरह 15 साल के बाद आप 1 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएंगे। लगातार निवेश के साथ 21वें वर्ष तक आप 2.22 करोड़ रुपये बचा सकते हैं। यानी यह छह सालों में आपकी 1 करोड़ रुपये की राशि को दोगुना कर देगा।
- 22वें साल तक आप सिर्फ एक साल में 33 लाख रुपये जमा कर सकते हैं। इसका श्रेय चक्रवृद्धि ब्याज को जाता है। ध्यान दें कि इस उदाहरण में वार्षिक चक्रवृद्धि ब्याज का इस्तेमाल किया गया है।

यह भी अहम

बदलती बाजार स्थितियों और रुझानों के साथ अपने निवेश को समायोजित करना महत्वपूर्ण है। यह गतिशील दृष्टिकोण जोखिमों को कम करने और अवसरों को भुनाने में मदद करता है। 8-4-3 नियम को समझने से विश्वसनीय दीर्घकालिक निवेशों के बारे में जानकारी मिलती है। इस नियम का पालन करने से जोखिम कम हो सकता है, महंगाई से बचाव हो सकता है और बाजार के अवसरों का लाभ उठाया जा सकता है। बाजार की स्थिति चाहे जो भी हो, धैर्य और अनुशासन के माध्यम से धीरे-धीरे धन अर्जित करना संभव है।

स्मॉल-कैप फंड में निवेशकों का भरोसा बरकरार, बन रहे रिकॉर्ड

जानकारी
बिजनेस डेस्क

- मई में 2,724 करोड़ का निवेश हुआ, जो अप्रैल में 2,208.70 करोड़ ज्यादा
- इक्विटी एमएफ में मई महीने में निवेश 84% तक बढ़ा
- इक्विटी में निवेश बढ़कर 34,697 करोड़ रुपये पहुंचा
- लोगों ने सेक्टोरल व थेमेटिक फंड्स में खूब निवेश किया
- इस दौरान सेक्टोरल/थेमेटिक फंड्स में 272% इनफ्लो बढ़ा
- हालांकि, डेट म्यूचुअल फंड में नेट इनफ्लो 78% हुआ कम

इक्विटी म्यूचुअल फंड खासकर स्मॉल कैप फंडों में लोगों का उत्साह जारी है। तभी तो बीते मई महीने के दौरान इस निवेश में जोरदार बढ़त देखने को मिली। स्मॉल-कैप फंड में लगातार दूसरे महीने निवेशकों का रुझान बढ़ता दिखा। मई में 2,724 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अप्रैल में 2,208.70 करोड़ रुपये से अधिक है। ईएलएसएस और फोकस्ड फंड को छोड़कर सभी इक्विटी कैटेगरी ने मई में पोजिटिव इनफ्लो हुआ। हालांकि, ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड में ओवरऑल इनफ्लो मई में 54% घटकर 1.11 लाख करोड़ रुपये रह गया, जबकि अप्रैल में यह 2.40 लाख करोड़ रुपये था। वहीं देखा जाए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड भी मई में 34,697 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया है। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले 83 फीसदी अधिक है। इससे पहले इसी साल अप्रैल महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में 18,917 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

डेट फंड से पैसे निकाले : बीते महीने डेट म्यूचुअल फंड में नेट इन्फ्लो में अच्छी-खासी गिरावट देखी गई। अप्रैल में यह 1.89 लाख करोड़ रुपये पर था जो कि मई महीने में 78% गिरकर 42,294 करोड़ रुपये रह गया। शॉर्ट-ड्यूरेशन फंड, मीडियम-ड्यूरेशन फंड, डायनेमिक बॉन्ड फंड, क्रेडिट रिस्क फंड, गिल्ट फंड और फ्लोटर फंड में निवेशकों ने पैसा निकला। फ्लोटर फंड (546.41 करोड़) और क्रेडिट रिस्क फंड(540 करोड़) में सबसे अधिक निवेशकों ने पैसे निकाले।

एसआईपी ने बनाया रिकॉर्ड

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश लगातार दूसरे महीने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा। एसआईपी के जरिए मंथली कांट्रिब्यूशन बढ़कर मई में 20,904 करोड़ रुपये हो गया। यह अप्रैल में 20,371 करोड़ रुपये था। इन स्कीम्स में मंथली निवेश लगातार दूसरे महीने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक है।

निवेशकों को मिला मौका

मई में आम चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी। इस दौरान बीच-बीच में शेयर बाजार में करेक्शन हुआ। इस करेक्शन ने निवेशकों को बाजार में कुछ खरीदारी का मौका दिया। इसके अलावा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में वापस आने की उम्मीद ने भी निवेशकों की खरीदारी को बढ़ावा दिया। आखिर कर एनडीए की सरकार भी बन गई।

अब तक का सबसे अधिक निवेश

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मई महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुअल फंड में अब तक का सबसे अधिक निवेश हुआ है। इसकी वजह न्यू फंड ऑफर (एफएफओ) और सेक्टोरल/थेमेटिक स्कीम में 272% की मजबूत वृद्धि देखी गई। इन स्कीम्स में मई में 19,213.43 करोड़ रुपये का इनफ्लो रहा। अप्रैल में यह 5,166.05 करोड़ रुपये था। मई महीने में एनएफओ के जरिए निवेश बढ़कर 10,140 करोड़ रुपये हो गया है। अप्रैल में 1,536 करोड़ से यह काफी अधिक है।

म्यूचुअल फंड स्कीम, मुनाफा देने में स्टॉक मार्केट को दे रही टक्कर

- सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में सुरक्षित भी
- इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी निवेश की कई कटेगरी
- लार्जकैप, मिडकैप व स्मॉलकैप फंड के जरिए निवेश
- रिटर्न देने में भी किसी से पीछे नहीं है एमएफ

योजना
बिजनेस डेस्क

आप भी निवेशक हैं या निवेश करने जा रहे हैं तो जरा ठहरिये। निवेश से पहले एक बार बाजार का रुख देख लें। अपनी रिस्क क्षमता और लक्ष्य का चुनाव कर लें। क्योंकि पैसा कमाने का कोई छोटा रास्ता नहीं होता है। हां अब धैर्य और प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो आपको कुछ ही समय में पैसे वाला बना सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश करते समय अलर्ट रहें, ताकि आपको नुकसान न हो। क्या आपको किसी स्कीम या विकल्प में पैसा लगाकर सिर्फ एक साल में 60 फीसदी या 70 फीसदी रिटर्न मिला है। जब इतने हाई रिटर्न की बात होती है मन में अक्सर स्टॉक मार्केट का ध्यान सबसे पहले आता है, लेकिन बहुत से निवेशक स्टॉक मार्केट में शामिल रिस्क को देखकर डर जाते हैं या उन्हें स्टॉक मार्केट की बहुत अच्छी जानकारी नहीं होती है। ऐसे में वे निवेश का फैसला नहीं ले पाते, लेकिन एक और विकल्प है, जो स्टॉक मार्केट की तुलना में काफी हद तक सुरक्षित माना जाता है और रिटर्न देने के मामले में भी कहीं से पीछे नहीं है। हम बात कर रहे हैं म्यूचुअल फंड बाजार की, जहां कई ऐसी स्कीम मौजूद हैं, जिनका एक साल का रिटर्न 65 फीसदी से 77 फीसदी रहा है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं म्यूचुअल फंड कर कुछ ऐसी स्कीम जो मुनाफा देने में स्टॉक मार्केट को भी कड़ी टक्कर दे रही हैं। इन योजनाओं में निवेश कर आप भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं और कम समय में ही अमीर यानी करोड़पति भी बन सकते हैं।

वर्ष में रिटर्न देने में टॉप स्कीम

- क्वांट मिडकैप फंड : 76.53%
- बंधन स्मॉलकैप फंड : 71.95%
- आआर्टीआई मिडकैप फंड : 71.80%
- एबीएसएल निफ्टी स्मॉलकैप 50 इंडेक्स : 71.09%
- क्वांट लार्ज एंड मिडकैप फंड : 69.62%
- आईटीआई स्मॉलकैप फंड : 67.98%
- आईसीआईसीआई प्रू भारत 22 एफओएफ : 67.32%
- क्वांट स्मॉलकैप फंड : 66.18%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड : 65.54%
- जेएम फ्लेक्सी कैप फंड : 65.34%

सीधे स्टॉक में पैसा लगाने से ज्यादा सुरक्षित

बाजार के जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड में निवेश, सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश की तुलना में एक सुरक्षित विकल्प माना जाता है। इक्विटी म्यूचुअल फंड में भी स्टॉक मार्केट की तरह ही अलग-अलग कैटेगरी हैं। मसलन लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड। जो निवेशक सीधे स्टॉक मार्केट में निवेश का रिस्क नहीं लेना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा रिटर्न की इच्छा रखते हैं, उनके लिए म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प है। असल में किसी म्यूचुअल फंड स्कीम में अलग अलग कंपनियों के स्टॉक शामिल होते हैं। वहीं, कुछ स्कीम में अलग अलग सेक्टर से अलग अलग स्टॉक निवेश के लिए चुने जाते हैं।

फंड मैनेजर की देखरेख में होता है निवेश

म्यूचुअल फंड की एक और खासियत है कि इसमें कुशल फंड मैनेजर की देखरेख में निवेश किया जाता है। फंड मैनेजर अपनी स्टडी या रिसर्च के आधार पर किसी म्यूचुअल फंड के पोर्टफोलियो में शेयरों को शामिल करता है। उनका ध्यान मजबूत ग्रोथ वाली और मुनाफा कमाने वाली कंपनियों पर होता है, ताकि इसका फायदा स्टॉक में ग्रोथ के रूप में मिले। किसी एक स्टॉक में पैसा लगाने की बजाए फंड मैनेजर अलग-अलग सेक्टर के मजबूत फंडामेंटल वाले शेयरों का चयन करता है। इसमें एक और सुविधा है कि अगर एकमुश्त पैसा नहीं लगाना चाहते तो सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए मंथली बेसिस पर निवेश कर सकते हैं।

लगातार बढ़ रही है पॉपुलैरिटी

म्यूचुअल फंड्स की लोकप्रियता निवेशकों में बढ़ रही है। एएमएफआई के आंकड़ों के मुताबिक मई 2024 में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश 84 फीसदी उछलकर रिकॉर्ड 34,670.9 करोड़ रुपये हो गया, जबकि अप्रैल में 18,888 करोड़ रुपये रहा। सेक्टोरल फंड्स में मंथली बेसिस पर 272 फीसदी इनफ्लो बढ़ा है। डेट म्यूचुअल फंड्स में 42,295 करोड़ का निवेश आया। म्यूचुअल फंड में न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए 10,140 करोड़ का निवेश आया है। म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एयूएम मंथली बेसिस पर 2.9 फीसदी बढ़कर 58.91 लाख करोड़ हो गया है।

मई में यह रहा इनफ्लो

मई 2024 में इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी फंड्स में 3,155.07 करोड़ का इनफ्लो रहा। स्मालकैप फंड्स में 2,724.67 करोड़, मल्टीकैप फंड्स में 2,644.88 करोड़, मिडकैप फंड्स में 2,605.70 करोड़, लार्ज एंड मिड कैप में 2,396.91 करोड़, वैल्यू/कॉन्ट्रा फंड में 1,404.34 करोड़, लार्ज कैप में 663 और डिविडेंड यील्ड फंड में 445.2 करोड़ का इनफ्लो हुआ।

इसलिए करें म्यूचुअल फंड में निवेश

आप किसी भी दिन कितने भी म्यूचुअल फंड खरीद और बेच सकते हैं, जबकि यह बैंक एफडी, पीपीएफ या बीमा को आप सरकारी छुट्टी या रविवार को नहीं खरीद बेच सकते हैं। म्यूचुअल फंड आपको कम निवेश में कई स्टाक और बांड लेने की सुविधा देता है। आप जिस म्यूचुअल फण्ड में निवेश करते हैं उस फण्ड में से किसी एक जगह पैसा नहीं लगाया जाता है।

अलर्ट इंश्योरेंस बीमा खरीदते समय अक्सर इसे निवेश समझ बैठते हैं, इसके कारण लंबी अवधि में काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है

निवेश के लक्ष्य से भटकें नहीं, पैसा बढ़ाने के लिए हमेशा धैर्य रखें और आगे बढ़ते जाएं

बीमा और निवेश को नहीं करें घालमेल, वरना होगा नुकसान फायदे में रहना है तो निवेश व बीमा हमेशा अलग-अलग रखें

वित्तीय प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

इंश्योरेंस कवरेज यानी बीमा और निवेश को (घालमेल) करना ठीक नहीं है। ऐसा करने से आप अपने निवेश के लक्ष्य से भटक जाएंगे और काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। बीमा और निवेश के अपने अपने लाभ हैं। इसलिए दोनों को अलग-अलग ही रखें और अपनी जरूतों को पूरा करें। अक्सर लोग पॉलिसी खरीदते समय सबसे बड़ी भूल कर बैठते हैं वह है इंश्योरेंस प्लान में उसकी मेच्योरिटी वैल्यू या निवेश पर रिटर्न की तलाश करना। दरअसल, ऐसी सोच एक बड़ी गलतफहमी का नतीजा है, जो बड़ी संख्या में लोगों को रहती है। ये गलतफहमी है बीमा पॉलिसी को निवेश की तरह देखने की। बीमा खरीदने वाले मैच्योरिटी बेनिफिट और रिटर्न को एक्स्ट्रा बेनिफिट की तरह देखते हैं तो निवेश करने वाले इंश्योरेंस को अतिरिक्त लाभ मान लेते हैं, लेकिन सच यह है कि बीमा और निवेश में घालमेल करने की यह मानसिकता लंबी अवधि में आर्थिक तौर पर भारी नुकसान करा सकती है। इसलिए बीमा करवाते और निवेश करते समय यह ध्यान रखें।

बीमा को निवेश समझना क्यों गलत

जानकारों का मानना है कि सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि बीमा पॉलिसी को निवेश की तरह देखना गलत है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब आप अपने पैसे कहीं निवेश करते हैं, तो आप वहां से रिटर्न हासिल करने की उम्मीद करते हैं। इसी उम्मीद की वजह से लोग बीमा कंपनी को दिए गए प्रीमियम के बदले में रिटर्न या मेच्योरिटी बेनिफिट खोजने लगते हैं। इसी चक्कर में वे कम कीमत में ज्यादा कवरेज देने वाले टर्म प्लान को रिजेक्ट करके ऐसे एंडोमेंट प्लान को चुन लेते हैं, जिनमें उन्हें जीवित रहने पर सर्वाइवल बेनिफिट के तौर पर कुछ पैसे मिल जाते हैं। उन्हें लगता है कि टर्म प्लान खरीदने में कोई फायदा नहीं है, क्योंकि उसमें कोई सर्वाइवल बेनिफिट नहीं मिलता है। ऐसा सोचने वाले निवेशकों को यह ध्यान नहीं रहता कि एंडोमेंट पॉलिसी में उन्हें काफी ऊंचा प्रीमियम देने के बावजूद कम कवरेज से काम चलाना पड़ता है, जबकि प्योर टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी उन्हें बेहद कम प्रीमियम में अच्छा-खासा कवरेज देती है। टर्म इंश्योरेंस जीवन बीमा का सबसे सस्ता और सबसे अच्छा रूप है, क्योंकि जीवन बीमा का मकसद रिटर्न पाना नहीं, आर्थिक सुरक्षा हासिल करना है।

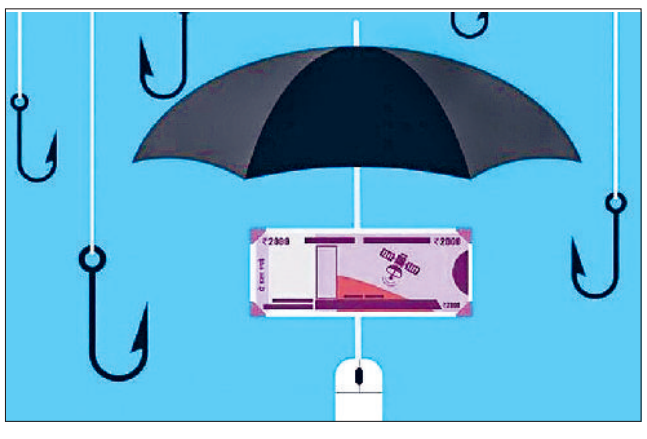

कैसे लें पूरा लाभ

अगर बीमा और निवेश को अलग-अलग रखना है, तो दोनों का पूरा लाभ लेने का सही तरीका क्या होगा? आखिर अगर आप एंडोमेंट प्लान के लिए ऊंचा प्रीमियन भरने को तैयार हैं, तो बेहतर होगा अगर आप उसी रकम को दो हिस्सों में बांट लें। एक हिस्सा टर्म प्लान के जरिए बड़ा इंश्योरेंस कवरेज खरीदने पर खर्च करें और बाकी रकम को किसी इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए निवेश करें। इस तरह आप उतनी ही रकम खर्च करके ज्यादा कवरेज हासिल कर लेंगे और निवेश की सही रणनीति अपनाकर ऊंचा रिटर्न भी ले पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

अगर 30 साल का व्यक्ति अगर 65 साल की उम्र तक कवरेज देने वाले 1 करोड़ रुपये का टर्म प्लान खरीदना चाहे तो उसका सालाना प्रीमियम महज 12 हजार रुपये से शुरू होता है। जबकि एंडोमेंट प्लान में इतना ही कवरेज खरीदने के लिए उसे सालाना करीब 2.80 लाख रुपये का प्रीमियम देना पड़ेगा। इस प्लान में उसे 65 साल की उम्र में यानी 35 साल बाद 1 करोड़ रुपये का सम एश्योर्ड, 1.68 करोड़ रुपये का बोनस और 2.30 करोड़ रुपये का फाइनल बोनस एडिशन मिलाकर मैच्योरिटी बेनिफिट के तौर पर कुल 4.98 करोड़ रुपये मिलेंगे. जबकि 35 साल में उसने करीब 98 लाख रुपये प्रीमियम के तौर पर चुकाए होंगे. यानी अपने निवेश पर करीब 4 करोड़ रुपये का लाभ होगा। ये कैलकुलेशन एक प्रमुख बीमा कंपनी के एंडोमेंट प्लान कैलकुलेटर पर आधारित हैं।

टर्म प्लान + म्यूचुअल फंड का कंबिनेशन

अब जानते हैं कि 30 साल का वही निवेशक अगर सालाना 2.80 लाख रुपये की उसी रकम को टर्म प्लान और इक्विटी म्यूचुअल फंड में बांटकर निवेश करे, तो क्या होगा? क्या वो एंडोमेंट प्लान के मुकाबले ज्यादा कवरेज और रिटर्न दोनों हासिल कर सकता है? 30 साल का व्यक्ति चाहे तो करीब 20 हजार रुपये के सालाना प्रीमियम में ऑनलाइन पोर्टल्स के जरिए 2 करोड़ रुपये का टर्म प्लान खरीद सकता है। बाकी बचे 2.60 लाख रुपये अगर 21,666 रुपये के मंथली एसआईपी के जरिए हर साल ईएलएसएस में निवेश किए जाएं, तो 12 फीसदी के कंजर्वेटिव सालाना रिटर्न के आधार पर भी 35 साल में उसके निवेश की कुल वैल्यू 14.07 करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगी, जबकि इन 35 वर्षों के दौरान उसकी तरफ से निवेश की गई कुल रकम करीब 91 लाख रुपये होगी। यानी उसे अपने निवेश पर करीब 13 करोड़ रुपये से ज्यादा का मुनाफा होगा। वो भी एंडोमेंट प्लान के मुकाबले दोगुना इंश्योरेंस कवरेज खरीदने के बाद।

बेहतर कवरेज के साथ हाई रिटर्न

यह कैलकुलेशन किसी खास स्कीम के आधार पर नहीं, बल्कि ऑनलाइन इंश्योरेंस पॉलिसी बेचने वाले पोर्टल पर दिए शुरुआती प्रीमियम के मोटे अनुमान पर आधारित है। इसलिए पॉलिसी खरीदते समय वास्तविक रकम इससे थोड़ी-बहुत अलग हो सकती है। फिर भी टर्म प्लान और एंडोमेंट प्लान के प्रीमियम के बीच भारी अंतर तो बना ही रहेगा। एंडोमेंट प्लान का एक बड़ा नुकसान यह भी है कि भारी प्रीमियम की वजह से कई बार लोग जितना इंश्योरेंस लेना चाहिए, उतना नहीं खरीद पाते हैं, जिसका खामियाजा किसी अनहोनी की हालत में उनके परिवार को उठाना पड़ सकता है। इसीलिए सही रणनीति यही है कि बीमा और निवेश को अलग-अलग रखें, ताकि इंश्योरेंस में सबसे बेहतर कवरेज और इनवेस्टमेंट में हाई रिटर्न, दोनों का पूरा-पूरा फायदा ले सकें। निवेश का अंतिम फैसला करते समय इक्विटी फंड में इनवेस्टमेंट से जुड़े मार्केट रिस्क को भी जरूर ध्यान में रखें।

शशांक कुमार सावन ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तीन नए कानूनों बारे में दी जानकारी

पुलिस को शिकायत मिलने के तीन दिन के अंदर एफआईआर करनी होगी दर्ज: एसपी

- आईपीसी में 511 धाराएं थी, लेकिन भारतीय न्याय संहिता यानि बीएनएस में 358 धाराएं रह गई है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। सेमिनार में उपस्थित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी तथा पुलिस अधिकारियों को जानकारी देते एसपी शशांक कुमार सावन। फोटो : हरिभूमि

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने शनिवार को जैन पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को तीनों नए कानूनों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर डीएसपी हैडक्वाटर पवन कुमार, डीएसपी बावल नरेंद्र सांगवान, डीएसपी कोसली जयसिंह, सभी थाना प्रबंधक, क्राइम यूनिट इंचार्ज, चौकी इंचार्ज व अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे। इस अवसर पर एसपी सावन ने कहा कि तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 व साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू हो रहे है। जो भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता व भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए नए कानूनों की जानकारी होना अनिवार्य है। सभी पुलिसकर्मी इनका गहनता से अध्ययन करें। नए कानूनों में दिए गए प्रावधानों में प्रत्येक कार्रवाई के लिए निश्चित समय सीमा निधारित की गई है। नए कानून के अनुसार पुलिस को शिकायत मिलने के तीन दिन के अंदर एफआईआर दर्ज करनी होगी। जिन केसों में 3 से 7 साल का प्रावधान है, उन केसों में प्रारंभिक जांच के बाद एफआईआर दर्ज करनी होगी। एफआईआर दर्ज करने के बाद पीड़ित को मुकदमें की प्रगति को लेकर एसएमएस या अन्य इलेक्ट्रोनिक्स माध्यमों से 90 दिनों के अंदर जानकारी प्रदान की जाएगी।

पुलिसकर्मियों को कानूनों के प्रति किया जागरूक

एसपी शशांक कुमार सावन ने कहा कि नए कानून में संगठित अपराध पर विशेष प्रावधान है। संगठित गैंग व सिंडिकेट चलाने वाले गिरोह के आरोपियों की ओर से अपराध कर काली कमाई से अर्जित की संपत्ति को अटैच करने के प्रावधान के बारे विशेष रूप से ध्यान दिया गया है। अब जांच अधिकारी पुलिस अधीक्षक के माध्यम से न्यायालय में अपील कर आरोपियों की इस प्रकार से अर्जित की संपत्ति अटैच करा सकेगा। एसपी ने तीनों नए कानूनों में दिए प्रावधानों को पुलिसकर्मियों को सरलीय भाषा में समझाकर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियोग को अंकित करते समय कानून की पूरी तरह से जानकारी ग्रहण करें और अभियोग से संबंधित पूरे साक्ष्यों को एकत्रित किया जाए ताकि साक्ष्य के अभाव में गुनाह करने वाला व्यक्ति किसी भी सूरत में सजा से न बच पाए।

बीएनएस में धाराओं के नंबरों में बदलाव

एसपी सावन ने कहा कि नए कानून के तहत जांच की गुणवत्ता में सुधार करते हुए जघन्य अपराधों में एफएसएल टीम की ओर से क्राइम सीन निरीक्षण करना अनिवार्य किया गया है। तलाशी के दौरान बरामदगी की रिकॉर्डिंग करनी होगी। न्यायालय में वर्चुअल माध्यम से भी गवाही व पेशी हो सकेंगी। एसपी ने सेमिनार में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धाराओं के बारे में भी जानकारी दी। नए कानून बीएनएस के बारे जानकारी देते हुए बताया कि आईपीसी में हत्या का अभियोग 302 धारा के तहत दर्ज किया जाता है, इसको अब बीएनएस में 103 धारा के तहत दर्ज किया जाएगा। दुष्कर्म को 376 धारा में दर्ज किया जाता है, अब बीएनएस में 64 धारा के तहत दर्ज किया जाएगा। इसी प्रकार अन्य धाराओं के नंबरों में भी बदलाव किया गया है। आईपीसी में 511 धाराएं थी, लेकिन भारतीय न्याय संहिता यानि बीएनएस में 358 धाराएं रह गई है।

न्यूज डायरी

भाविप शाखा ने छबील लगाकर पुण्य कमाया

रेवाड़ी। भारत विकास परिषद जिला शाखा की ओर से शनिवार को घंटेश्वर मंदिर मोती चौक पर ठंडे दूध व शरबत की छबील लगाई गई। शाखा उपाध्यक्ष सुनील भार्गव का छबील लगाने में विशेष सहयोग रहा। छबील पर सुबह से शाम तक हजारों लोगों ने मीठा पानी पिया। शाखा अध्यक्ष दिनेश सैनी, सचिव हुकम चन्द प्रजापत, कोषाध्यक्ष रामकिशोर सैनी, जिला समन्वयक मुकेश सैनी, जिला सह समन्वयक परमजीत यादव, संरक्षक रमेश, डा. अनिल सैनी, जगमोहन अग्रवाल, राजेन्द्र शर्मा, नितिन गोयल, अजय गुप्ता, प्रेम कुमार, कृष्ण कुमार शर्मा व राजीव आहुजा ने पुण्य कार्य में योगदान दिया।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर घर में गिरा

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा के निकटवर्ती गांव गढ़ी में शनिवार को घर के ऊपर से गुजर रही बिजली की हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में अचानक 11 हजार वोल्ट की लाइन का तार टूटकर घर में गिर गया। गनीमत यह रही कि उस समय उस स्थान पर कोई नहीं था। अन्यथा बड़ी घटना घट सकती थी। गांव की सरपंच उषा देवी ने बिजली निगम को इसकी सूचना दी, जिसके बाद सप्लाई बंद की गई, लेकिन शाम तक लाइन ठीक नहीं हो पाई थी। ग्रामीणों ने बिजली मंत्री व प्रशासन से घर से ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन को दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह की घटना से बचा जा सकें।

तीसरे चरण के योग प्रोटोकॉल अभ्यास का समापन

रेवाड़ी। जिला प्रशासन व आयुष विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी में शनिवार को राव तुलाराम स्टेडियम में तीसरे चरण के योग प्रोटोकॉल का समापन किया गया, जिसमें खेल विभाग व शिक्षा विभाग के अधिकारियों- कर्मचारियों व अन्य योग साधकों ने योगाभ्यास किया। इस मौके पर डॉ बसंत सोनी ने आमजन को योग के महत्व से अवगत कराया। जिला आयुर्वेद अधिकारी कार्यवाहक डॉ दिनेश ने बताया कि आगामी 19 जून को प्रातः 6 बजे राम सिंह चौक से राव तुलाराम स्टेडियम तक योग मैराथन व फुलड्रेस योग रिहर्सल का आयोजन होगा। इस मौके पर हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएस प्रसाद ने सभी जिला अधिकारियों को ऑनलाइन बैठक में दिशा-निर्देश भी दिए। इस मौके पर लायंस क्लब के प्रधान, आईएमए के प्रधान डॉ दीपक यादव, चेयरमैन डॉ पूनम यादव तथा जिले सभी छातीरोग विशेषज्ञ मौजूद थे। जिला योग विशेषज्ञ डा. राकेश छिल्लर ने योगिक क्रियाओं में श्वसन प्रणाली व फेफड़ों की क्षमताओं को मजबूत करने वाले प्रणायाम का अभ्यास कराया।

कथा सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते: आचार्य

नाहड़। गांव सुधराना स्थित बाबा भैया धाम पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन आचार्य बांके बिहारी वृंदावन वाले ने सुकदेव पूजन भीष्म स्तुति तथा महाभारत प्रसंग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा एक अमर कथा है। जन्म जन्मांतर युग युगांतर में जब पुण्य का उदय होता है तब ऐसा अनुष्ठान होता है। भागवत कथा के सुनने से पापी भी पाप मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि वेदों का सार युगों युगों से मानव जाति तक पहुंचाता रहा है। भागवत पुराण उसी सनातन ज्ञान की पयस्विनि है, जो वेदों से प्रवाहित होती चली आई है। इसीलिए भागवत महापुराण को वेदों का सार कहा गया है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

रक्तदान कैंप समय की आवश्यकता: अशोक सोमाणी

रेवाड़ी। पब्लिक एजुकेशन बोर्ड के अध्यक्ष व प्रमुख समाजसेवी अशोक सोमाणी ने कहा कि कहा कि खून की एक बूंद जरूरतमंद को नई जिंदगी देने का काम करती है। ब्लड एकत्रित करने के लिए कैंपों का आयोजन समय की आवश्यकता है। सोमाणी शनिवार को धारूहेड़ा चुंगी के पास सरकुलर रोड स्थित डा. आरबी यादव अस्पताल में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

कैंप में यह लोग रहे मौजूद : मुकेश सैनी, परमजीत, सचिन सिंघल, सीए निधि गौतम, जतिन सैनी, अमन गुप्ता, सीए रॉकी, सीएस उमेश गोयल, अजय ठाकुर, डॉ प्रशांत यादव, डॉ नीरज यादव, सीए आकाश, सीए कश्यप गुप्ता, पूजा, अतुल बत्रा, संजीव, नरेश, प्रशांत गुप्ता व डा. संजय गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग इस मौके पर मौजूद रहे। भारत विकास परिषद, श्रीराम युवा शाखा रेवाड़ी, रोटरी क्लब रेवाड़ी सिटी व सर्जन एसोसिएशन ऑफ इंडिया हरियाणा चैप्टर रेवाड़ी शाखा की ओर से आयोजित इस ब्लड डोनेशन कैंप में 41 यूनिट ब्लड एकत्रत किया गया।

चोरी के दो आरोपी काबू, बाइक व दो मोबाइल बरामद

धारूहेड़ा। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने मकान से मोबाइल, पर्स व अन्य सामान चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जिला भिवानी के प्रेमनगर निवासी कृष्ण उर्फ काला व जिला चरखी दादरी वार्ड नंबर-11 निवासी अमित उर्फ शेरू के रूप में हुई है। बिहार के जिला छपरा के गांव सोभेपुर हाल किरायेदार बांस रोड धारूहेड़ा निवासी पंकज कुमार के मकान से बाइक, मोबाइल व नकदी चोरी हो गए थे, जिस पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। पुलिस ने शुक्रवार को मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में आरोपी कृष्ण ने बताया की उसने चोरी किए गए मोबाइल को आरोपी अमित को बेच दिया था तथा इसके अलावा भी उसने 13 जून को थाना सिवानी एरिये के एक होटल से दो मोबाइल और चोरी किए है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे चोरी की गई बाइक व दो मोबाइल फोन को बरामद कर लिए है।

गर्दन काटने की धमकी से सहमा जीजा, केस दर्ज

रेवाड़ी। परशुराम कॉलोनी में आपराधिक रिकॉर्ड वाले एक युवक ने अपने जीजा और भांजे को फोन पर गर्दन काटने की धमकी दी, जो जीजा व उसका परिवार सहम गया। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू कर दी। एसपी को दर्ज शिकायत में कॉलोनी निवासी पवन कुमार ने बताया कि उसके ससुर का स्वर्गवास हो चुका है। उसकी सास की देखभाल वह और सास की बेटियां करते हैं। उसका साला नवीन आपराधिक किस्म का व्यक्ति है। उसके खिलाफ मॉडल टाउन थाने में पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह अपने ही भाई की हत्या का आरोपी भी रह चुका है। नवीन उसकी सास की जमीन-जायदाद पर कब्जा करना चाहता है। पुस्तैनी मकान पर कब्जा कर लिया है। पवन ने आरोप लगाया कि उसका साला और साले का बेटा उसे और उसके बेटे को फोन पर गाली-गलौच करते हुए धमकियां दे रहे हैं। नवीन ने फोन पर उसकी गर्दन काटने का धमकी दी है, जिससे वह और उसका परिवार बुरी तरह सहमे हुए हैं। फोन पर दी गई धमकी की रिकॉर्डिंग भी उसके पास मौजूद है।

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

रेवाड़ी। सेवानिवृत्त रेल कर्मचारी एसोसिएशन जिला शाखा की ओर से शनिवार को रेलवे कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब में मासिक सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता शाखा चेयरमैन टीपी शर्मा ने की तथा मुख्यातिथि के रूप में सेवानिवृत्त मख्य वाणिज्य प्रबंधक अनुज भार्गव, मदन लाल, सेवानिवृत्त मंडल परिचालन प्रबंधक एवं पीके जोशी सेवानिवत्त सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी थे। एसोसिएशन की ओर से मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अर्शिन यादव, रेनु यादव, शुभरंजन नेगी, रीतिका यादव, वर्तिका यादव, गार्गी यादव व मंयक यादव को सम्मानित किया गया। इस मौके पर आरपी यादव, रामजीवन, विष्णु भगवान शर्मा, प्रेम नेगी, ईश्वर सिंह यादव, सुआप्रकाश, लालाराम यादव, सुरेश कुमार, बनवारी लाल, होशियार सिंह, केके गुप्ता, श्रीराम यादव, ताराचन्द्र यादव, रमेश चन्द्र, सुबेसिंह, महेन्द्र यादव, हरनारायण, जगदीश प्रसाद, कृष्ण अवतार, रामनाथ, बलवीर, शिव दयाल, महेश कुमार, जगननाथ, सत्य नारायण, फूल सिंह व जगदीश चन्द उपस्थित थे।

ई-स्वास्थ्य धाम एप करेगा चार धाम तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

डीसी राहुल हुड्डा ने बताया कि अब चारधाम यात्रा पर देश-दुनिया से आने वाले तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल ई-स्वास्थ्य धाम करेगा। यह एप तीर्थयात्रियों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ई-स्वास्थ्य धाम स्वास्थ्य जोखिमों को कम करने के लिए सतर्क निगरानी के साथ तीर्थयात्रियों के लिए सहज यात्रा सुनिश्चित करेगा। उत्तराखंड सरकार की ओर से पवित्र चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों के स्वास्थ्य की देखभाल और निगरानी प्रणालियों में सुधार के लिए ई-स्वास्थ्य धाम नाम से एप की शुरूआत की है। यह एप एक विशेष ऑनलाइन टूल है, जिसे यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य स्थिति को ट्रैक करने के लिए लांच किया गया है। उन्होंने बताया कि ई-स्वास्थ्य धाम एप वर्तमान में चार धाम पंजीकरण पोर्टल से निर्बाध रूप से जुड़ा हुआ है। प्रत्येक भक्त को इस एप पर पंजीकरण करना और अपना मेडिकल रिकॉर्ड अपलोड करना जरूरी है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड का स्वास्थ्य विभाग पूरी तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ऑन-साइट स्वास्थ्य जांच सुविधा प्रदान करेगा।

50 वर्ष से अधिक आयु के श्रद्धालुओं की जांच अनिवार्य

डीसी ने बताया कि चारधाम यात्रा के पंजीकरण पोर्टल पर इस एप को रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से यात्रा मार्ग पर जगह-जगह स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र बनाए गए हैं, जहां 50 वर्ष से अधिक आयु के श्रद्धालुओं की जांच अनिवार्य की गई है। उन्होंने बताया कि यदि श्रद्धालुओं की तरफ से अपनी बिल्कुल सही मेडिकल हिस्ट्री पंजीकरण के दौरान उपलब्ध कराई जाती है तो इससे प्रशासन को आपातकालीन स्थिति में श्रद्धालुओं को चिकित्सकीय सहायता पहुंचाने में मदद मिलेगी और यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ठीक और सही समय पर इलाज भी मिल सकेगा।

प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही कोसली में बनेगी आईएमटी: दीपेंद्र हुड्डा

- कांग्रेसी नेता ने कोसली में किया कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन, जीत के लिए कोसली की जनता का जताया आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

रेवाड़ी। कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद दीपेन्द्र हुड्डा व अन्य नेता। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेसी सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि भाजपा ने दस साल के शासनकाल में दक्षिणी हरियाणा में औद्योगिक विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनते ही पहली कलम से कोसली में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। दीपेंद्र शनिवार को धन्यवादी दौरे के तहत एक समारोह स्थल में कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि लोगों ने जो आशीर्वाद दिया है, वह व्यर्थ नहीं जाएगा। तीन माह बाद होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की सरकार सत्ता में आएगी। जनता ने देश की राजनीति में संतुलन बनाकर मजबूत विपक्ष और इंडिया गठबंधन को नैतिक बल दिया है। आज संख्या बल भले ही भाजपा के पास हो लेकिन जनभावना हमारे साथ है। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि उनके परिवार की पीढ़ियों का इस इलाके से संबंध रहा है और यहां से उनके परिवार को हमेशा आशीर्वाद मिला है। इस बार भी 36 बिरादरी ने यहां से जो आशीर्वाद दिया है और विश्वास जताया है, जीवन की अंतिम सांस तक उसमें कमी नहीं आने दूंगा। उन्होंने चुनाव नतीजों की बात करते हुए कहा कि इस लोकसभा चुनाव में हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के पक्ष में ऐतिहासिक जनादेश दिया है। प्रदेश के सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को जहां 5 सीटों पर जीत मिली वहीं वोट में जबरदस्त इजाफा हुआ और भाजपा के वोट में जबरदस्त गिरावट आई। इस चुनाव में 46 विधानसभा सीटों में कांग्रेस को बढ़त मिली जबकि भाजपा को सिर्फ 44 विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त मिली। प्रदेश के सभी 90 के 90 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस का भाजपा की तुलना में वोट बढ़ा है,।

सम्मेलन में यह रहे प्रमुख रूप से मौजूद

पूर्व मंत्री जगदीश यादव, पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह, पूर्व सीपीएस अनीता यादव, पूर्व मंत्री एमएल रंगा, पूर्व विधायक राधेश्याम शर्मा, कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता अनिल पाल्हावास, पूर्व विधायक वीरेंद्र कादियान, सोनू हुड्डा, वेद प्रकाश विद्रोही, मनोज कोसली, राहुल राव, डॉ पवन भाड़ावास, रामफल कोसलिया, कैलाश, अविनाश यादव, श्याम यादव, डॉ. अनिल, दीवान सिंह चौहान, महावीर मसानी, महेंद्र छाबड़ा, दिनेश यादव, संजय भाला, ओमप्रकाश डाबला, दुष्यंत यादव, शकुंतला भागवाड़िया व रेखा दहिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता सम्मेलन में मौजूद थे।

बदहाली में हरियाणा को बनाया नंबर वन

दीपेन्द्र ने कहा कि 2014 के पहले जो हरियाणा विकास में सबसे आगे था, आज वह बदहाली में सबसे आगे हो गया है। बीजेपी सरकार में हर वर्ग का अपमान किया गया, हर वर्ग इस सरकार से दुखी है और बदलाव का मन बना चुका है। बीजेपी सरकार ने अग्निपथ योजना लाकर दक्षिण हरियाणा का सबसे बड़ा नुकसान किया है। पहले हर साल फौज में 5500 की पक्की भर्ती होती थी, लेकिन अब हर साल 900 अग्निवीर लिये जा रहे हैं जिसमें से 4 साल के बाद करीब 225 अग्निवीर ही पक्के होंगे। उन्होंने ऐलान किया कि अब विपक्ष मजबूत है और अग्निपथ योजना की छुट्टी कराने और फौज में पहले की तरह पक्की भर्ती कराने की लड़ाई लड़ेंगे। इसके साथ ही उन्होंने अहीर रेजिमेंट के गठन की लड़ाई लड़ने की बात कही।

बावल विस के गांवों में विकास कार्यों के लिए 4.92 करोड़ मंजूर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा सरकार ने बावल विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के लिए 4.92 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की है। लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डा. बनवारी लाल ने बताया कि सरकार की ओर से मंजूर की गई राशि से बावल विधानसभा क्षेत्र के विकास को और अधिक गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से तिहाड़ा में श्मशान घाट की चार दीवारी के लिए 15.18 लाख रुपए, धारूहेड़ा कलां में श्मशान घाट की चार दीवारी के लिए 7.27 लाख रुपए, खरखड़ी में श्मशान घाट के रास्ते, चार दीवारी व टीनशेड के लिए 22.76 लाख रुपए, मोहम्मदपुर में श्मशान घाट के रास्ते व टीनशेड के लिए 4.38 लाख रुपए, खेड़ी डालूसिंह में श्मशान घाट की चार दीवारी के लिए 13.69 लाख रुपए, नंगली परसापुर में 2.80 लाख रुपए, ड़योढ़ई में श्मशान घाट के रास्ते व टीनशेड के लिए 10.21 लाख रुपए, सुलखा में श्मशान घाट के रास्ते के लिए 11.52 लाख रुपए, पातूहेड़ा में 16.36 लाख रुपए, रूध में 12.80 लाख रुपए, गुजरीवास में 14.38 लाख रुपए, धरचाना में 26.86 लाख रुपए, कालड़ावास में श्मशान घाट के रास्ते, चार दीवारी व टीनशेड के लिए 15.65 लाख रुपए, कुंडल में 12.27 लाख रुपए, ढाणी शोभा में श्मशान घाट के रास्ते के लिए 15.88 लाख रुपए, जैतडावास में श्मशान घाट के रास्ते, चार दीवारी के लिए 40.27 लाख रुपए, भुरथल ठठर में श्मशान घाट के रास्ते के लिए 19.93 लाख रुपए, कुंड में श्मशान घाट की चार दीवारी के लिए 2.59 लाख रुपए, बवाना गुर्जर में 6.24 लाख रूपए, भांडौर में 14.66 लाख रुपए, नांगल जमालपुर में श्मशान घाट के रास्ते के लिए 5.77 लाख रुपए, चीताडूंगरा में 11.26 लाख रुपए, खोल में 11.80 लाख रुपए, मनेठी में 9.48 लाख रुपए, धामलावास में 3.55 लाख रुपए, भूड़ला में चारदीवारी के लिए 11.13 लाख रुपए, कसौला में चारदीवारी व रास्ते के लिए 25.64 लाख रुपए, बोलनी में चारदीवारी के लिए 12.26 लाख रुपए, कसौली में श्मशान घाट की चारदीवारी व रास्ते के लिए 14.63 लाख रुपए, मुकंदपुर बसई में चारदीवारी के लिए 33.50 लाख रुपए, पंचगांव में चारदीवारी के लिए 4.59 लाख रुपए, खरसानकी में चारदीवारी के लिए 1.63 लाख रुपए, बूढ़पुर में चारदीवारी व टीनशेड के लिए 12.7 लाख रुपए छुरियावास में टीनशेड के लिए 2.3 लाख रुपए, रालियावास में चारदीवारी के लिए 11.11 लाख रुपए, काठूवास में रास्ते के लिए 15.83 लाख रुपए संगवाड़ी में 4.61 लाख रुपए तथा बगथला में चारदीवारी के लिए 14.72 लाख रुपए की मंजूरी दी है।

लोगों को नशे से दूर रहने के प्रति किया जागरूक

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के मार्गदर्शन व डीएसपी मुख्यालय पवन कुमार के नेतृत्व में जिला पुलिस की ओर से 26 जून तक नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के अर्न्तगत नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिला पुलिस की सभी थाना एवं चौकी स्तर पर टीमें आमजन को नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव के बारे में जागरूक कर रही हैं। शनिवार को पुलिस टीमों ने मिंडा कंपनी कसौला चौक, बनीपुर चौक एवं गांव डवाना में आमजन को नशे से बचने के लिए जागरूक किया तथा सभी को नशे का सेवन न करने की शपथ दिलाई।

सियासत | अब पहचान पत्र के साथ बूथ एजेंट हो सकेंगे राव की बैठक में शामिल

संगठन को मंथन बैठकों से रख रहे दूर, पर्सनल बूथ एजेंटों से जुटा रहे फीडबैक

- भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को नहीं फटकने दिया जाएगा पास

नरेन्द्र वत्स ⏭ रेवाड़ी

अक्सर चुनावों के बाद हार का सामना करने वाले प्रत्याशी कारणों पर मंथन करते हुए नजर आते हैं, परंतु केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह जीत हासिल करने के बाद भी कम अंतर से हुई जीत पर मंथन करने में जुट गए हैं। खास बात यह है कि मंथन बैठकों का दौर शुरू करने के बाद भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पूरी तरह दूर रखते हुए अपने खास समर्थकों से ही फीडबैक लेने का सिलसिला शुरू किया गया है। इसके लिए मंथन बैठकों में उन लोगों को ही प्रवेश देने का निर्णय लिया गया है, जिनके पास बूथ एजेंट के पहचान पत्र हैं। बीते शुक्रवार को कम मतों से हुई जीत पर मंथन करने के लिए राव इंद्रजीत सिंह ने पंजाबी धर्मशाला में खास समर्थकों की बैठक बुलाई थी। इसमें भाजपा के कुछ पुराने कार्यकर्ता व पदाधिकारी भी पहुंच गए थे। सूत्रों के अनुसार भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक में उपस्थिति राव को रास नहीं आई। उन्होंने बैठक को स्थगित करते हुए आगामी बैठक में बूथ एजेंटों को पहचान पत्र के साथ आने का फरमान जारी कर दिया। गत लोकसभा चुनावों में करीब पौने 4 लाख मतों से चुनाव जीतने वाले राव

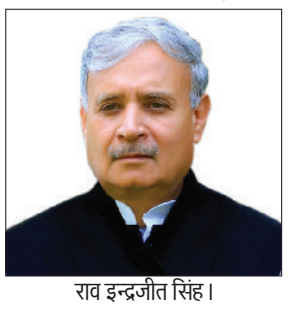

राव इन्द्रजीत सिंह।

आरती राव।

की जीत का अंतर इस बार 1 लाख तक भी नहीं पहुंच सका। मतगणना के दिन दोपहर 2 बजे तक किसी भी राउंड में राव आगे नहीं निकल पाए थे, जिससे उन्हें खुद हार का अंदेशा सताने लगा था। राव को गुरूग्राम लोकसभा क्षेत्र के बावल, रेवाड़ी और पटौदी हलकों में इस बार बड़ी जीत की उम्मीद थी। इन हलकों में पिछली बार वह बड़े मार्जिन से चुनाव जीते थे, लेकिन इस बार उनकी जीत का अंतर काफी कम हो गया। हर हलके में जीत का मार्जिन एक लाख के आसपास का रहा था। सामने अहीर प्रत्याशी नहीं होने के कारण इस बार इन हलकों में जीत का मार्जिन बढ़ने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इन हलकों में जीत का मार्जिन काफी कम हो गया, जिससे राव को बड़ा झटका लगा है। समर्थक जीत के बावजूद निराशा का सामना कर रहे हैं, तो राव जीत का मार्जिन कम होने के कारणों की तह तक जाने में लगे हुए हैं।

जिलाध्यक्ष तक को नहीं दी गई सूचना

राव की पहली बैठक की सूचना भाजपा के जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह चौहान तक को नहीं दी गई थी। सूत्रों के अनुसार एक तरह से गोपनीय रखी गई बैठक में भाजपा कार्यकर्ताओं को भी इशारा किया गया कि यह बैठक राव के निजी समर्थकों की है, भाजपा कार्यकर्ताओं की नहीं। इसके बाद अगली बैठक में राव समर्थकों को बूथ एजेंट के पहचान पत्र के साथ आने को कहा गया है, जिसकी तिथि भी सार्वजनिक नहीं की गई है।

विस चुनावों को लेकर बन रही रूपरेखा

भाजपा के लोकसभा चुनावों में आधी सीटों पर सिमटने के बाद राव इस बार विधानसभा चुनावों को लेकर बड़ी रणनीति तैयार करने में जुट गए हैं। एक ओर वह अपनी बेटी आरती राव के लिए सुरक्षित सीट की तलाश कर रहे हैं, तो दूसरी ओर अहीरवाल में अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए लालयित हैं। उनकी निगाहें प्रदेश के सीएम की कुर्सी पर टिकी हुई हैं, जो अहीरवाल में बड़ी सफलता के बिना हासिल करना मुमकिन नहीं है।

पुश्तैनी परंपराओं को आगे बढ़ा रहा कटारिया परिवार, एक चूल्हे पर पक रहा संयुक्त परिवार का खाना

- मुखिया ने बनवाया 3.50 लाख की लागत से पलंग, आसपास के लोगों के लिए बना आकर्षण का केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/बावल

आज के इस युग में जहां एकल परिवारों का बोलबाला है। भाई-भाई के बीच दूरियां बनी हुई हैं, वहीं बावल का कटारिया परिवार आज भी पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाने की मिसाल कायम कर रहा है। 29 सदस्यों वाले इस परिवार का खाना आज भी एक ही चूल्हे पर पकता है। शौक पूरा करने के लिए परिवार के मुखिया ने पुराने जमाने में बनने वाले पलंगों की तर्ज पर करीब 3.50 लाख की लागत से भारी भरकम पलंग बनवाया है, जो आसपास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस पलंग में चांदी व पीतल की जड़ाई कराई गई है। नपा के पूर्व चेयरमैन रघुबर दयाल कटारिया के बेटे राजेंद्र कटारिया खुद मिठाई की फैक्ट्री चलाते हैं। उनके चार बेटों में से दो पेशे से वकील हैं। एक पशु चिकित्सक है, तो एक मिठाई की दुकान चलाता है। चारों बेटों का भरा पूरा परिवार है, जिसमें बहुओं सहित कुल 29 सदस्य हैं। इन सभी सदस्यों का भोजन सारी बहुएं मिलकर एक ही चूल्हे पर तैयार करती हैं। इसके बाद पूरा परिवार एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण करता है। राजेंद्र कटारिया का कहना है कि उनके परिवार में पुरखों से लेकर अब तक परिवार के सदस्यों में कभी अलग-अलग रहने की सोच ही पैदा नहीं हुई। वर्तमान पीढ़ी इसका खुलकर अनुशरण कर रही है। परिवार की चारों बहुएं आपस में मिलकर सगी बहनों की रहती हैं। घर में हमेशा सात-आठ गाएं रहती हैं, जिनकी देखभाल बहुएं करती हैं। इससे एक ओर जहां गोसेवा की भावना को बल मिलता है, तो दूसरी ओर परिवार को दूध-घी का खर्च और आमदनी गायों के पालन से होती है। परिवार के सदस्यों में कभी भी किसी बात को लेकर कोई विवाद नहीं होता, जिस कारण पूरा एकसूत्र में बंधा हुआ है। बच्चे भी इसी परिपाटी की पालना करते हुए मिल-जुलकर रह रहे हैं।

नायाब पलंग बनवाने की थी हसरत

राजेंद्र कटारिया ने बताया कि वह ऐसा पलंग बनवाने के लिए काफी दिनों से बेताब थे, जिस पर परिवार के कई सदस्य एक साथ आराम फरमा सकें। बाहर से आने वाले कई लोग पलंग पर बैठ सकें। इसके लिए उन्होंने राजस्थान के खैरथल से शीशम 8 इंच मोटे पाए खासतौर पर तैयार कराए। शाल की लकड़ी से 8 फुट लंबा और 6 फुट चौड़ा पलंग तैयार कराया। इसे तैयार कराने में 145 किलोग्राम रेशम की रस्सी का उपयोग किया गया। कारीगर ने 5400 रुपये में रस्सी से पलंग तैयार किया।

रेवाड़ी। राजेन्द्र कटारिया की ओर से बनवाया गया पलंग तथा अपने नायाब पलंग के साथ राजेन्द्र कटारिया। फोटो : हरिभूमि

पलंग पर जड़वाए चांदी के सिक्के

कटारिया ने बताया कि पलंग को खास बनाने के लिए इस पर चांदी के 164 सिक्के जड़वाए गए हैं। 17 किलोग्राम पीतल से मुरादाबादी शेर व गायत्री मंत्री जड़वाकर कई अन्य कलाकृत्रियां तैयार कराई गई हैं। पलंग तैयार कराने पर 3.50 लाख रुपये का खर्च आया है। इस पलंग को राजेंद्र ने अपनी बैठक में रखा हुआ है, ताकि बाहर से आने वाले लोग इस पर आराम फरमा सकें। पलंग पर कई लोग बैठकर आराम कर सकते हैं। यह पलंग अब आसपास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र साबित हो रहा है।

खबर संक्षेप

दहेज की मांग पर मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने दहेज की मांग पर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक विवाहिता की शिकायत के बाद दोनों पक्षों के बीच बातचीत के आधार पर फैसला कराने के प्रयास किए थे। बातचीत सिरे नहीं चढ़ने के कारण पुलिस ने 11 मई को केस दर्ज किया था। केस में जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के कंगनहेड़ी निवासी विकास यादव को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

सीआईए के हत्थे चढ़ा लूट का आरोपी

रेवाड़ी। सीआईए ने ट्रक चालक के अपहरण व लूट के एक आरोपी को 2 साल बाद गिरफ्तार किया है। 28 मई 2022 को दर्ज किए गए मामले में पुलिस ने कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। अब इस मामले में सीआईए ने एमपी के भैरव खेड़ी निवासी विकास को गिरफ्तार किया है। एमपी की एक अदालत से अग्रिम जमानत होने के कारण बाद में उसे रिहा कर दिया गया। आरोपी के कब्जे से 18 हजार रुपये बरामद किए गए हैं।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने शहर के एक मोहल्ला निवासी व्यक्ति को महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने 13 जून को सिटी पुलिस में दर्ज शिकायत में हिमांशु नाम के व्यक्ति पर दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। पुलिस ने महिला का मेडिकल कराने के बाद आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक चलेगी स्पेशल लोक अदालत

रेवाड़ी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से आगामी 29 जुलाई 2024 से 3 अगस्त तक न्यायालय में लंबित

मामलों के निपटारे के लिए विशेष लो क अदालत का आ यो ज न किया जाएगा। सी जे ए म अमित वर्मा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में लंबे समय से चलने वाले केस से संबंधित पार्टियां यदि विशेष लोक अदालत के सामने रखना चाहती है तो वह 28 जुलाई से पहले स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण अमित वर्मा ने बताया कि स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड के माध्यम से प्री-कंसिलीएटॉरी बैठक आयोजित की जाएगी, पार्टियों के मध्य सुलह की संभावनाओं को परखते हुए ऐसे मामलों पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

स्पेशल लोक अदालत में रहेंगे यह मामले : स्पेशल लोक अदालत में श्रम मामले, चेक बाउंस मामले सेक्शन-138 एनआई एक्ट, दुर्घटना क्लेम मामले, उपभोक्ता संरक्षण मामले, स्थानान्तरण याचिकाएं सिविल एवं आपराधिक, धन-वसूली से संबंधित मामले, आपराधिक मिश्रित मामले, अन्य मुआवजा संबंधी मामले, पारिवारिक कानूनी मामले सेवाओं से संबंधित मामले अन्य सिविल मामले शामिल किए जाएंगे।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 177 देशों के समर्थन के साथ 21 जून को इंटरनेशनल योगा-डे मनाने की घोषणा की

आठ मुख्य चरणों में पूरा किया जाता योग प्रोटोकॉल तीसरे चरण में 20 आसनों का होता अभ्यास

- योग विशेषज्ञ डा. धर्मवीर यादव बोले प्रारंभ और रोग विशेष में किसी अच्छे योग शिक्षक के सान्निध्य में ही करें अभ्यास, इन क्रियाओं का जबरदस्ती नहीं, बल्कि शांत चित्त और एकाग्र होकर ही करें अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

योग जीवन जीने की कला और विज्ञान है। योग भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अभिन्न अंग हैं। योग शरीर मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है।

योग विशेषज्ञ डा. धर्मवीर यादव ने कहा कि योग किसी जाति, धर्म और मजहब के लिए नहीं है बल्कि धरती के सभी मानवों के लिए समान रूप से लाभकारी है। योग से विश्व शांति और सौहार्द की भावना विकसित होती है, जिससे मानव और प्रकृति के बीच अच्छा तालमेल स्थापित होता है। इसी उद्देश्य के साथ भारत सरकार और योग गुरुओं की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 177 देशों के समर्थन के साथ 21 जून को इंटरनेशनल योगा-डे मनाने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद 21 जून 2015 से पूरी दुनिया में प्रति वर्ष विश्व योग दिवस मनाया जा रहा है।

सामान्य योग अभ्यासक्रम यानि योग प्रोटोकॉल

पूरी दुनिया में योग का ज्ञान सही और शुद्ध रूप में पहुंचाने के लिए भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने विख्यात योग विशेषज्ञों के साथ मिलकर प्रार्थना, सूक्ष्म व्यायाम, आसन, प्राणायाम व ध्यान का सामान्य योग अभ्यास क्रम अर्थात योग प्रोटोकॉल तैयार किया। इस योग प्रोटोकॉल को अधिकतम एक घंटे में पूर्ण किया जा सकता है। इस प्रोटोकॉल का किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति आसानी से नियमित अभ्यास कर सकता है, लेकिन प्रारंभ और रोग विशेष में किसी अच्छे योग शिक्षक के सान्निध्य में ही अभ्यास करना चाहिए। इन क्रियाओं का जबरदस्ती अभ्यास नहीं करना चाहिए बल्कि शांत चित्त और एकाग्र होकर ही अभ्यास करना चाहिए।

प्रार्थना की मुद्रा में डा. धर्मवीर यादव

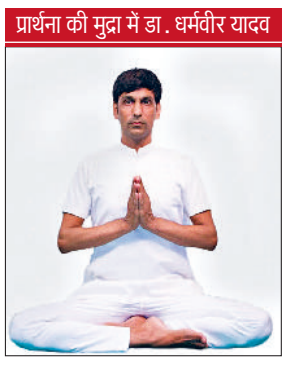

खड़े होकर त्रिकोणासन की मुद्रा

बैठकर अर्ध उष्ट्रासन की मुद्रा

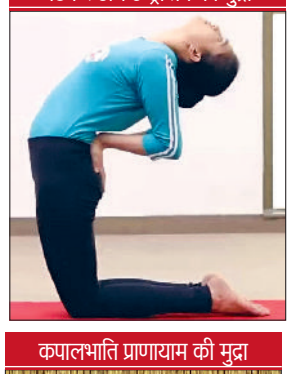

पेट के बल भुजंगासन की मुद्रा

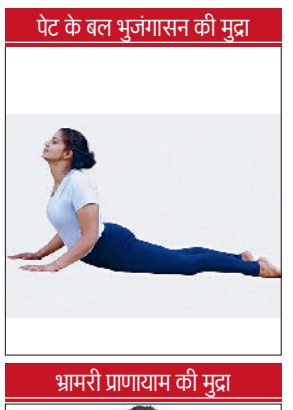

कमर के बल अर्ध हलासन की मुद्रा

कपालभाति प्राणायाम की मुद्रा

भ्रामरी प्राणायाम की मुद्रा

योग प्रोटोकॉल के आठ मुख्य चरण

प्रथम चरण: योग विशेषज्ञ डा. धर्मवीर ने बताया कि योग का प्रारंभ मंगलाचरण अर्थात प्रार्थना के साथ करना चाहिए। संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम। देवा भागं यथा पूर्वे सञ्जानाना उपासते। ऋग्वेद से ली गई प्रार्थना में सभी को मिलकर चलने, मिलकर बोलने तथा अपने पूर्वजों की तरह अपने कर्तव्य का ठीक से पालन करने की बात कही गई है।

द्वितीय चरण : इस चरण में सूक्ष्म व्यायाम के तहत शिथिलीकरण के अभ्यास कराए जाते हैं, जिनको खड़े होकर या बैठकर दोनों तरह से कर सकते हैं। इसमें ग्रीवा चालन के चार अभ्यास, स्कंध संचालन के अभ्यास, कटि और घुटना संचालन के अभ्यास शामिल हैं।

तृतीय चरण : इस चरण में योगासनों का अभ्यास कराया जाता है। इस चरण में 20 महत्वपूर्ण आसनों का अभ्यास होता है। सबसे पहले खड़े होकर किए जाने वाले पांच प्रमुख आसनों का अभ्यास कराया जाता है। खड़े होकर करने वाले पांच आसन ताड़ासन, वृक्षासन, पाद हस्तासन, अर्ध चक्रासन व त्रिकोणासन है। इसके बाद सात आसनों का अभ्यास बैठकर किया जाता है, जिसमें भद्रासन, वज्रासन, अर्ध उष्ट्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तान मंडूकासन व वक्रासन शामिल है। इसके बाद मकरासन, भुजंगासन व शलभासन तीन आसनों का अभ्यास पेट के बल लेटकर किया जाता है। पांच आसनों का अभ्यास पीठ-कमर के बल लेटकर किया जाता है। यह आसन सेतुबंधासन, उत्तान पादासन, अर्ध हलासन, पवन मुक्तासन व शवासन है।

चतुर्थ चरण : इस चरण में शोधन क्रिया कपालभाति का अभ्यास किया जाता है।

पांचवा चरण : इस चरण में तीन बहुत ही उपयोगी प्राणायामों का अभ्यास कराया जाता है। नाड़ी शोधन-अनुलोम विलोम, शीतली व भ्रामरी प्रणायामों का अभ्सास कराया जाता है।

छठा चरण : इस चरण में कुछ देर सामान्य ध्यान का अभ्यास कराया जाता है।

सातवां चरण : इस चरण में योग सत्र का समापन सभी योग साधकों से संकल्प बुलवाकर किया जाता है। मैं अपने कर्तव्य निर्वाह के प्रति, कुटुंब और कार्य के प्रति तथा समाज व समूचे विश्व में शांति, स्वास्थ्य और सौहार्द के प्रसार के लिए प्रतिबद्ध हूं।

आठवां चरण : योग सत्र का समापन शांति पाठ के साथ करना चाहिए। ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मां कश्चित दुःख भाग्भवेत। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः। यानि सभी सुखी रहें, सभी निरोगी रहें, सबका मंगल हो तथा संसार में कोई भी प्राणी दुखी न रहे।

पानी की बर्बादी रोकने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग की सख्ती, अवैध कनेक्शन काटे

रेवाड़ी। गांव पाली में अवैध कनेक्शन काटते हुए विभाग की टीम तथा होटल संचालक का कनेक्शन काटने के बाद समझाते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

- जन स्वास्थ्य विभाग के उपमंडल अभियंता बोले अवैध कनेक्शन काटने का अभियान रहेगा जारी, गांव पाली में की गई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने काफी संख्या में अवैध कनेक्शन किए हुए है। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से इन दिनों पानी की बर्बादी रोकने व लोगों को जागरूक करने की लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को जनस्वास्थ्य विभाग व जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन के संयुक्त तत्वावधान में खंड खोल के गांव पाली में पानी की बबार्दी रोकने के लिए अवैध कनेक्शन काटने का अभियान चलाया गया। विभाग की ओर से उपमंडल अभियंता विनोद बागड़ी, कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार व सरपंच जीतराम के नेतृत्व में 22 अवैध कनेक्शन को चिंहित कर मौके पर ही काटा गया।

अभियान के दौरान गांव के मुख्य मार्ग पर स्थित विभिन्न होटल और ढाबों के भी अवैध कनेक्शन काटे गए। इस दौरान उपमंडल अभियंता कहा कि अवैध कनेक्शन को काटने का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

भीषण गर्मी को देखते हुए लोग पानी का दुरूपयोग बिल्कुल न करें। उन्होंने लोगों से कनेक्शन को वैध कराने तथा खुले चल रहे नलों पर टोंटियां लगाने की भी अपील की ताकि जल जीवन मिशन के तहत सभी घरों तक साफ और स्वच्छ पानी की आपूर्ति हो सकें। उन्होंने लोगों को जल संरक्षण व पानी बचाने के प्रति जागरूक भी किया। इस मौके पर विभाग से बीआरसी संदीप कुमार ने ग्रामीणों को जल जीवन मिशन की गतिविधियों में लोगों के योगदान की जानकारी भी दी। उन्होंने ग्रामीणों को जल जीवन मिशन के तहत होने वाले कार्यों के बारे में अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि उपभोक्ता पेयजल संबंधित शिकायत होने पर विभाग के टोल फ्री नंबर 1800180 5678 पर संपर्क कर सकते हैं। इस मौके पर पंप ऑपरेटर रामजस, सुपरवाइजर संजय कुमार, सुनील कुमार व गजेंद्र यादव सहित जनस्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित थे।

नलकूपों से केबल चोरी करने वाला गिरोह सक्रिय एक रात में 6 किसानों की केबल चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

किसानों के ट्यूबवेल से सबमर्सीबल पंप सेट की बिजली केबल चोरी करने वाला गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गया है। खोल थाना क्षेत्र के दो गांवों में 6 किसानों के नलकूपों से बिजली की केबल चोरी हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

पुलिस शिकायत में ढाणी ठेठरबाढ़ निवासी राजेंद्र सिंह ने बताया कि जब वह सुबह के समय अपने खेत में गया तो पंप सेट की केबल गायब मिली। चोर करीब 50 मीटर लंबी केबल चोरी कर ले गए। आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि चोर पड़ोस के ही किसान संदीप के नलकूप से भी करीब 90 मीटर केबल काट ले गए। गांव के साथ लगते निमोठ गांव में चोर सतीश के नलकूप की 40 फीट व उसके चचेरे भाई बिजेंद्र के नलकूप से 70 फीट लंबी केबल चोरी कर ले गए। आसपास पूछताछ करने पर पता चला किया चोर पड़ोस में सरजीत के नलकूप से भी 30 फीट लंबी केबल चोरी कर ले गए।

एक किसान को 60 हजार का चूना

पुलिस शिकायत में किसान अमित ने बताया कि उसने निमोठ की सीमा में धवाना के एक व्यक्ति का खेत जोत के लिए लिया हुआ है। रात के समय चोर उसके ट्यूबवेल से बिजली की लगभग 1 हजार फीट लंबी केबल चोरी कर ले गए। इसकी कीमत करीब 60 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने चोरी के अलग-अलग केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

नवनियुक्त डीईओ का कार्यालय में किया स्वागत

रेवाड़ी। शनिवार को शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त अधिकारियों ने नवनियुक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद यादव को फूलों का गुलदस्ता भेंटकर शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त प्राचार्य जगदीश प्रसाद डहीनवाल ने बताया कि सुभाष चंद ने प्राचार्य, खंड शिक्षा अधिकारी, महेन्द्रगढ़ डाइट व रेवाड़ी डाइट हुसैनपुर में प्रिंसिपल के पद पर रहते हुए शिक्षा जगत में सराहनीय व प्रशंसनीय कार्य किए है। इस अवसर पर राजेंद्र सिंह खंड शिक्षा अधिकारी नाहड़, सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी राजकुमार जलवा, सेवानिवृत्त प्राचार्य अभयसिंह निम्मल, सेवानिवृत्त प्राचार्य सुखराम झाबुआ व अभय सिंह प्राचार्य भाकली मौजूद थे।

रेवाड़ी। डीईओ सुभाष चन्द्र का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मौसम आने वाले सप्ताह में प्री-मानसून बरसात होने की संभावना, चलता रहेगा आसमान में बादलों और तेज हवाओं का दौर

हल्की बरसात से 10 डिग्री गिरा रात का पारा, हीटवेव के प्रकोप से मिली राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

दिन में भारी लू के प्रकोप के साथ रात को भी भारी गर्मी का सामना कर रहे लोगों को शुक्रवार की रात कई इलाकों में हुई हल्की बरसात से कुछ हद तक राहत दिला दी। बरसात के बाद हवा में मनी का स्तर बढ़ने से उमस भरी गर्मी ने परेशान करना शुरू कर दिया है। रात का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर जाने के बाद हल्की बरसात से 10 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया, जिससे रात के समय भारी गर्मी का प्रकोप कम हो गया है। आने वाले सप्ताह में भी मौसम परिवर्तनशील बना रह सकता है। प्री-मानसून बरसात होने की संभावना भी जताई जा रही है। बीते शुक्रवार को रात के तापमान ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। रात का तापमान बढ़कर 37.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जिससे गर्मी ने लोगों को बुरी तरह परेशान कर दिया था। रात के समय कई इलाकों में हल्की बरसात व बूंदाबांदी के बाद रात का तापमान गिरकर 27.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जिससे लोगों को लू के प्रकोप से कुछ हद तक राहत मिल गई। हल्की बरसात के बाद रात का मौसम सुहाना बना रहा। अधिकतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस की मामूली कमी के साथ 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तीन दिन पूर्व यह 46 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। रात को हुई बूंदाबांदी के कारण शनिवार को लू के थपेड़ों से राहत मिली रही, लेकिन हवा में आर्द्रता 35 फीसदी तक होने के कारण उमस भरी गर्मी पसीना निकालती रही। हवा कर रफ्तार दोपहर बाद तक 15 किलोमीटर प्रति घंटा से भी कम बनी रही, जिससे लोगों को गर्मी के प्रकोप से बरसात के बावजूद छुटकारा नहीं मिल सका। मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को आसमान साफ रहने के बाद आने वाले सप्ताह में एक बार फिर कमजोर विक्षोभ की सक्रियता से आसमान में घने या आंशिक बादल छा सकते हैं। तेज हवाएं चलने से हल्की बूंदाबांदी या बरसात का संभावना जताई जा रही है। इस दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

रेवाड़ी। शनिवार को धूप से बचाव करता जाता बुजुर्ग। फोटो :हरिभूमि

किसानों को नहीं मिली मौसम से राहत

गत वर्ष मई माह के अंत में जिले में औसत 40 एमएम तक बरसात हुई थी। इसके बाद किसानों ने बाजरे की अगेती बिजाई कर दी थी। समय-समय पर होने वाली बरसात के कारण बाजरे का उत्पादन भी अच्छा हुआ था। बाजरे की बिजाई का समय आ चुका है, लेकिन जून के दूसरे पखवाड़े तक अच्छी बरसात नहीं हुई है। बरसात की उम्मीद लगाए बैठे किसानों को मौसम मायूस करने लगा है। कपास उत्पादक किसानों के लिए भारी गर्मी में फसल बचाना मुश्किल साबित हो रहा है। अगर अच्छी बरसात होती है, तो इस समय किसान बाजरे की बिजाई कर सकते हैं।

रेलवे स्टेशन पर चलाया नशा मुक्ति अभियान

रेवाड़ी। पुलिस अधीक्षक रेलवेज हरियाणा राजेश कालिया के मार्गदर्शन में जीआरपी की ओर से रेलवे जंक्शन पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया। जीआरपी एसएचओ भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में महिला एएसआई रेखा कौशिक, एचसी पूनम व कांस्टेबल अनीता की टीम ने यात्रियों को नशे से दूर रहने के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ने का आह्वान किया। अभियान के माध्यम से लोगों को नशे की बुराइयों से अवगत कराना तथा नशे के आदी युवाओं को समाज की मुख्य धारा में जोड़ना है। एएसआई रेखा कौशिक ने कहा कि नशा एक ऐसी बुराई है, जिससे व्यक्ति अपने अनमोल जीवन को खराब करके समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है।